Self Respect

23-08-2014

✓बच्चे तो जानते है, जिसके हम बच्चे हैं, उनको सच्चा साहेब भी कहते हैं इसलिए आजकल तुम बच्चों को साहबजादे भी कहते है ।

✓बच्चे जानते है ऊंचे ते ऊंचा बाप ही है जिसकी बहुत महिमा है, जिसको रचयिता भी कहते है । पहले- पहले है बच्चों की रचना । बाप के बच्चे हैं ना ।

✓यहाँ बाप तुमको कहते हैं-तुमको ऐसा चैतन्य लक्ष्मी-नारायण बनना है । कैसे बनेंगे? मनुष्य से देवता तुम इस पढाई और प्योरिटी से बनेंगे । यह स्कूल है ही मनुष्य से देवता बनने का ।

- ✓ तुम जानते हो सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी जो होकर गये है, वह हूबहू फिर से बनेंगे जरूर, इस नॉलेज से । वन्डर है ना | तो अब बाप समझाते है-ऐसा पुरूषार्थ करने से तुम सो देवता बनेंगे ।
- ✓ तुम देवता थे, आधाकल्प राज्य किया फिर आधाकल्प के बाद रावण राज्य में तुम धर्म भ्रष्ट, कर्म भ्रष्ट बन गये । अभी फिर तुम दैवी समुदाय के बन रहे हो । भगवानुवाच, बाप कल्प-कल्प तुम बच्चों को ही समझाकर ईश्वरीय सम्प्रदाय बनाते है ।
- ✓ वरदान: व्यर्थ संकल्पों के कारण को जानकर उन्हें समाप्त करने वाले समाधान स्वरूप भव !
- ✓ अच्छा | मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |